

Shiv Dhyan Mantra – शिव ध्यान मंत्र (संस्कृत पाठ)

ॐ शिव ध्यान मंत्र - १ (Shiv Dhyan Mantra #1)

संस्कृत पाठ (Sanskrit Text)

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतंसं।
रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्गं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम्।
पद्मासीनं समन्तात् स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानम्।
विश्वाद्यं विश्वबीजं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम्॥

Shiv Dhyan Mantra In English (Transliteration)

Dhyaayennityam Mahesham Rajatagirinibham
Charuchandraavatamsam
Ratnaakalpojvalaangam Parashumrigavaraabheetihastam
Prasannam
Padmaaseenam Samantaat Stutamamaraganair Vyaaghrakruttim
Vasaanam
Vishvaadyam Vishvabijam Nikhilabhayaharam Panchavaktram
Trinetram॥

Shiv Dhyan Mantra Meaning In Hindi (हिन्दी अर्थ)

प्रतिदिन उन महेश्वर का ध्यान करें जो चाँदी के पर्वत (कैलाश) के समान श्वेत हैं और जो सुंदर चंद्रमा को अपने मस्तक पर आभूषण रूप में धारण करते हैं। जिनका शरीर रत्नों के अलंकार से देदीप्यमान है, जिनके हाथों में परशु, मृग, वर और अभय मुद्रा सुशोभित है और जो सदा प्रसन्न मुद्रा में विराजमान हैं। जो पद्मासन पर बैठे हैं, चारों ओर देवगण जिनकी स्तुति करते हैं और जो बाघ की खाल धारण करते हैं। जो विश्व के आदिकारण और सृष्टि के बीज हैं, जो समस्त भयों को

हरने वाले हैं और जिनके पाँच मुख एवं तीन नेत्र हैं — उन महेश्वर का मैं प्रतिदिन ध्यान करता हूँ।

ॐ सदाशिव ध्यान मंत्र - २ (Shiv Dhyan Mantra #2)

संस्कृत पाठ (Sanskrit Text)

करचरणकृतं वाक्कायजं कर्मजं वा।
श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधम्॥
विहितमविहितं वा सर्वमेतत् क्षमस्व।
जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो॥

Shiv Dhyan Mantra In English (Transliteration)

Karacharanakritam Vaakkaayajam Karmajam Vaa।
Shravananayanajam Vaa Maanasam Vaaparaadham॥
Vihitamavihitam Vaa Sarvametat Kshamasva।
Jaya Jaya Karunaabdhe Shrimahaadeva Shambho॥

Shiv Dhyan Mantra Meaning In Hindi (हिन्दी अर्थ)

हे श्री महादेव शम्भो! हे करुणा के सागर! मेरे हाथों और पैरों से, वाणी और शरीर से, तथा कर्मों से जो भी अपराध हुए हों — कान और आँखों से या मन से जानबूझकर अथवा अनजाने में जो भी पाप हुए हों — उन सभी को कृपया क्षमा करें। आपकी जय हो, जय हो!

यह मंत्र शिव के सामने आत्म-समर्पण का प्रतीक है। इसे पूजन के अंत में क्षमा-प्रार्थना के रूप में पढ़ा जाता है।

ॐ Ravan Rachit Shiv Dhyan Mantra - ३ (रावण रचित शिव ध्यान मंत्र)

संस्कृत पाठ (संपूर्ण) — Ravan Rachit Shiv Dhyan Mantra Full Text

॥ श्रीशिव ध्यानम् ॥

ॐ डिं डिं डिकत डिम्ब डिम्ब डमरु, पाणौ सदा यस्य वै।
फुं फुं फुंकत सर्पजाल हृदयं, घं घं च घण्टारवम्॥
वं वं वंकत वम्ब वम्ब वहनं, कारुण्यपुण्यात् परम्।
भं भं भंकत भम्ब भम्ब नयनं, ध्यायेत् शिवं शङ्करम्॥

यावत् तोयधरा धरा धर धरा, धारा धरा भूधरा।
यावत् चारु सुचारु चारु चमरं, चामीकरं चामरम्॥
यावत् रावण राम राम रमणं, रामायणे श्रूयताम्।
तावत् भोगविभोग भोगमतुलं, यो गायते नित्यसः॥

यस्याग्रे द्राट् द्राट् द्रुट् द्रुट् ममलं, टंट टंट टंटटम्।
तैलं तैलं तु तैलं, खुखु खुखु खुखुमं, खंख खंख सखंखम्॥
डंस डंस डुडंस डुहि चकितं, भूपकं भूय नालम्।
ध्यायस्ते विप्रगाहे सवसति सवल; पातु वः चन्द्रचूडः॥

गात्रं भस्मसितं सितं च हसितं, हस्ते कपालं सितम्।
खट्वाङ्गं च सितं सितश्च वृषभ; कर्णे सिते कुण्डले।
गङ्गाफेनसिता जटाः पशुपते; चन्द्रः सितो मूर्धनि।
सोऽयं सर्वसितो ददातु विभवं, पापक्षयं सर्वदा॥

॥ इति शिव ध्यानम् ॥

Ravan Rachit Shiv Dhyan Mantra In English (Transliteration)

|| Shri Shiv Dhyanam ||

Om Dim Dim Dimkata Dimba Dimba Damaru, Paanau Sadaa
Yasya Vail
Phum Phum Phumkata Sarpajaala Hridayam, Gham Gham Cha
Ghantaaravam॥
Vam Vam Vankata Vamba Vamba Vahanam, Kaarunyapunyaat
Paraml
Bham Bham Bhamkata Bhamba Bhamba Nayanam, Dhyaayet
Shivam Shankaram॥

Yaavat Toyadharaa Dharaa Dhara Dharaa, Dhaaraa Dharaa
Bhudharaa|
Yaavat Chaaru Suchaaru Chaaru Chamaram, Chaamikaram
Chaamaram||
Yaavat Raavana Raama Raama Ramanam, Raamaayane
Shrooyataam|
Taavat Bhogavibhoga Bhogamatulam, Yo Gaayate Nityasah||
Yasyaagre Draat Draat Drut Drut Mamalam, Tanta Tanta
Tantatam|
Tailam Tailam Tu Tailam, Khukhu Khukhu Khukhuman,
Khankha Khankha Sakhankham||
Dams Dams Dudams Duhi Chakitam, Bhoopakam Bhooya Naalam|
Dhyaayaste Vipragahe Savasati Savalah, Paatu Vah
Chandrachoodah||
Gaatram Bhasmasitam Sitam Cha Hasitam, Haste Kaapaalam
Sitam|
Khatvaangam Cha Sitam Sitascha Vrishabhah, Karne Site
Kundale|
Gangaaphenasitaa Jataa Pashupateh, Chandrah Sito
Moordhanil|
So'yam Sarvasito Dadaatu Vibhavam, Paapakshayam
Sarvadaa||
|| Iti Shiva Dhyanam ||

Ravan Rachit Shiv Dhyan Mantra - हिन्दी अर्थ

प्रथम श्लोक — जिनके हाथ में सदा डमरू की "डिं डिं" ध्वनि गूँजती रहती है, जिनके हृदय पर सर्पों का जाल सुशोभित है, जिनके समीप "घं घं" घंटे की ध्वनि सुनाई देती है, जो नंदी (वाहन) पर विराजते हैं और करुणा एवं पुण्य के परम स्रोत हैं तथा जिनके तीन नेत्र हैं — उन शिव शंकर का ध्यान करें।

द्वितीय श्लोक — जब तक यह पृथ्वी, जल, पर्वत और आकाश स्थिर हैं, जब तक सुवर्ण की आभा से युक्त यह सृष्टि विद्यमान है और जब तक रामायण में राम-रावण की कथा सुनाई देती

रहेगी — तब तक जो भक्त इस मंत्र का नित्य गायन करता है, उसे अतुलनीय सुख-समृद्धि प्राप्त होती रहेगी।

तृतीय श्लोक — जिनके आगे सभी विघ्न और अशुद्धियाँ तत्काल नष्ट हो जाती हैं, जिनकी ध्वनि मात्र से सब अवरोध दूर होते हैं और जिनके स्मरण से संसार के सभी भय चकित होकर भाग जाते हैं — वे चंद्रचूड़ (शिव) सबल होकर आपकी रक्षा करें।

चतुर्थ श्लोक — जिनका शरीर भस्म से श्वेत है, हाथ में श्वेत कपाल (खोपड़ी) है, जिनका खट्वांग श्वेत है, जो श्वेत बैल (नंदी) पर विराजते हैं, जिनके कानों में श्वेत कुंडल हैं, जटाओं में गंगा और मस्तक पर श्वेत चंद्रमा सुशोभित है — वे सर्वश्वेत भगवान शिव भक्तों को वैभव और सदा पापमुक्ति प्रदान करें।